DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 September, 2024

भारत में जूट उद्योग

संदर्भ: *हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम में बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान के कारण जूट उत्पादन में 20% की गिरावट आने की संभावना है।*

➢ **अवलोकन:**

- इस वर्ष जूट निर्यात ₹3,500 करोड़ अनुमानित है, जबकि इसकी वार्षिक क्षमता ₹4,500 करोड़ है।
- बोर्ड, जूट प्रौद्योगिकी मिशन 2.0 का मसौदा तैयार कर रहा है, जिसमें विविध उपयोगों के लिए इथेनॉल निष्कर्षण और जूट से बने पदार्थ की खोज की जा रही है।

➢ **जूट उद्योग के बारे में**

- **वैश्विक स्थिति** : भारत विश्व का अग्रणी जूट उत्पादक है, जो वैश्विक उत्पादन का लगभग 70% उत्पादन करता है।
- **क्षेत्रीय महत्व** : यह उद्योग पूर्वी क्षेत्र, विशेषकर पश्चिम बंगाल का एक प्रमुख आर्थिक गतिविधि है, जिसमें उत्पादन का लगभग 73% हिस्सा है।
- **स्थानीय खपत** : जूट उत्पादन का लगभग 90% घरेलू स्तर पर खपत हो जाता है।
- **रोजगार** : संगठित मिलों में लगभग 370,000 श्रमिकों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है।
- **निर्यात क्षमता** : उद्योग की वार्षिक निर्यात क्षमता 4,500 करोड़ रुपये है, जो 2023-24 में 3,000 करोड़ रुपये होगी।

➢ **अवसर**

- **रोजगार सृजन** : संगठित मिलों में रोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम।
- **निर्यात वृद्धि** : बढ़ती निर्यात क्षमता वैश्विक बाजार में बढ़ते अवसरों का संकेत देती है।

➢ **चुनौतियां**

- **घटता क्षेत्रफल** : 2013-14 और 2021-22 के बीच जूट की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल में 1,70,000 हेक्टेयर की कमी आई है।
- **विकल्पों से प्रतिस्पर्धा** : कम लागत वाले सिंथेटिक उत्पादों की उपलब्धता जूट की मांग को प्रभावित करती है।
- **गुणवत्ता संबंधी मुद्दे** : 80% से अधिक कच्चा जूट औसत से कम या खराब गुणवत्ता का होता है।
- **आधुनिकीकरण का अभाव** : उद्योग को आधुनिकीकरण और कुशल श्रमिकों की कमी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।
- **राज्य समर्थन** : जियो-टेक्सटाइल्स जैसे जूट उत्पादों की खरीद के लिए राज्य स्तर पर अपर्याप्त पहल।

➢ **सुझाए गए उपाय (श्रम, वस्त्र और कौशल विकास संबंधी स्थायी समिति)**

- **व्यापक नीति** : नई मिलों की स्थापना के लिए नीतियां विकसित करना।
- **कौशल विकास** : लक्षित योजनाओं के माध्यम से कुशल श्रमिकों की कमी को दूर करना।

➢ **उत्पादन में गिरावट**

- **अपेक्षित गिरावट** : प्राकृतिक आपदाओं, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और असम में बाढ़ से जूट की फसलों पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण वित्त वर्ष 2024-25 में जूट उत्पादन में 20% की गिरावट आने का अनुमान है।
- **प्रभावित क्षेत्र** : पश्चिम बंगाल और असम प्रमुख जूट उत्पादक राज्य हैं, जो उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

➢ **उठाए गए कदम**

- **राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी)** : राष्ट्रीय जूट बोर्ड अधिनियम, 2008 के तहत स्थापित, जूट की खेती, विनिर्माण और विपणन के विकास के लिए यह जिम्मेदार है।
- **राष्ट्रीय जूट विकास कार्यक्रम** : यह उद्योग विकास के उद्देश्य से एक व्यापक योजना है।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई)** : यह उत्पादन को प्रोत्साहित करने की एक योजना है।
- **भारतीय जूट निगम (जेसीआई)** : यह जूट क्षेत्र को समर्थन देने के लिए स्थापित है।
- **जूट पैकेजिंग सामग्री अधिनियम, 1987** : यह कुछ वस्तुओं के लिए जूट पैकेजिंग सामग्री के उपयोग को अनिवार्य बनाता है।
- **अन्य पहल** : इसमें जूट मार्क, लोगो, उन्नत खेती योजना शामिल हैं।

WMO ओजोन और यूवी रिपोर्ट

संदर्भ: *हाल ही में, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने WMO ओजोन और यूवी रिपोर्ट का दूसरा संस्करण जारी किया है*

➢ **अवलोकन:**

- इस दिन विश्व ओजोन दिवस (16 सितम्बर) मनाया जाता है।
- ओजोन परत को क्षति पहुंचाने वाले पदार्थों (ओ.डी.एस.) को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की सफलता पर प्रकाश डाला गया है।
- WMO का वैश्विक वायुमंडल निगरानी (GAW) कार्यक्रम ओजोन स्तर और UV विकिरण के निरीक्षण के लिए आवश्यक है।
- वैश्विक ओजोन निगरानी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए हर तीन साल में बैठक होती है।

➢ **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) बुलेटिन**

- **प्रारंभ होने की तारीख** : विश्व ओजोन दिवस (16 सितंबर) पर।
- **विषय** : मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: जलवायु कार्रवाइयों को आगे बढ़ाना।
- **अनुशंसाएँ** :
- पांच क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें:
  - अनुसंधान की जरूरतें
  - व्यवस्थित अवलोकन
  - नियंत्रित पदार्थों का कवरेज
  - डेटा संग्रहण और प्रबंधन
  - क्षमता निर्माण

मुख्य निष्कर्ष

➢ **ओजोन परत की पुनर्प्राप्ति :**

- कुछ ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ओडीएस) को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने से ग्रीनहाउस गैसों में भी कमी आएगी, जिससे जलवायु शमन में सकारात्मक योगदान मिलेगा।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- पूर्ण रूप से ओजोन का निर्माण:
  - 2066 अंटार्कटिका पर
  - 2045 आर्कटिक पर
  - शेष विश्व के लिए 2040

➢ **2023 ओजोन छिद्र की विशेषताएं :**

- अगस्त के अंत में शुरुआत और दिसंबर तक जारी रहती है।
- 2022 हंगा टोंगा-हंगा हा'आपाई ज्वालामुखी विस्फोट से प्रभावित, जिससे समतापमंडलीय जल वाष्प में वृद्धि हुई।

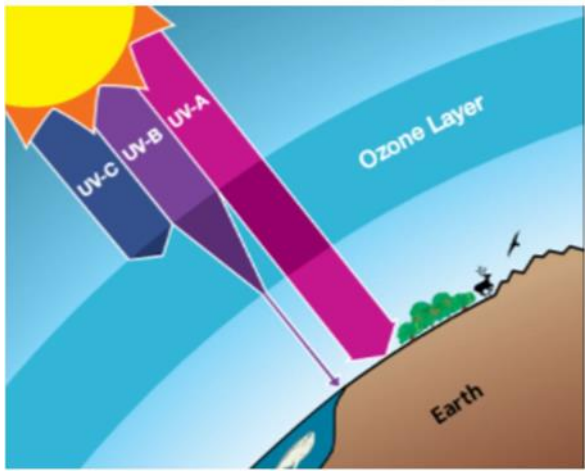

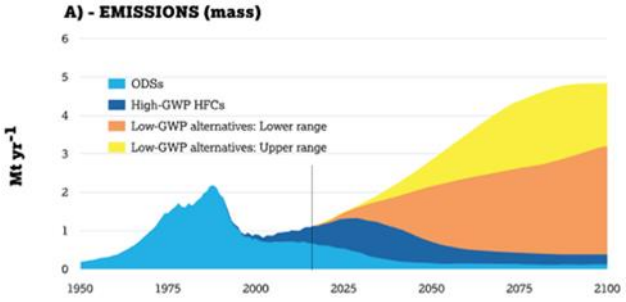

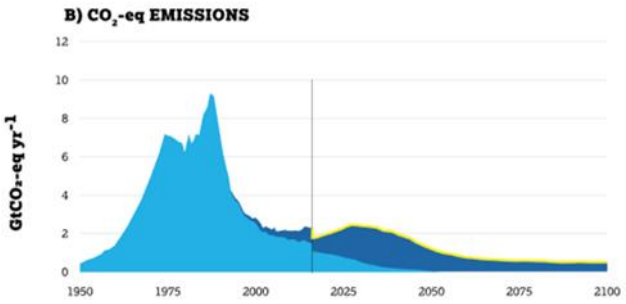

- **किगाली संशोधन का प्रभाव** : 2100 तक वैश्विक तापमान में 0.5°C की कमी आ सकती है।

➢ **ओजोन परत के बारे में**

- **स्थान** : समताप मण्डल में 15 से 30 किमी.
- **गठन** : आणविक ऑक्सीजन (O_2) के साथ यूवी प्रकाश की क्रिया द्वारा निर्मित।
- **ह्रास** : क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) और हेलोन्स जैसे ओडीएस के कारण होता है।
- **ओजोन छिद्र** : मुख्यतः अंटार्कटिका के ऊपर पाया जाता है, जो समतापमंडलीय बादलों के कारण और अधिक गंभीर हो गया है।
- **प्रभाव** : त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ता है, पौधों की वृद्धि बाधित होती है तथा समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है।

➢ **उठाए गए कदम**

- **वैश्विक** :
  - **वियना कन्वेंशन (1985)** और **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987)** : ओ.डी.एस. को विनियमित करना।
  - **किगाली समझौता (2016)** : इसके द्वारा हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) को चरणबद्ध तरीके से कम किया जाएगा।
- **भारत** :
  - **कूलिंग एक्शन प्लान (2019)** : कूलिंग मांग, रेफ्रिजरेंट और ऊर्जा दक्षता को संबोधित करता है।
  - **चरणबद्ध तरीके से समाप्त** : सी.एफ.सी., कार्बन टेट्राक्लोराइड, हेलोन्स, मिथाइल ब्रोमाइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म।

अप्रत्याशित लाभ कर

***संदर्भ**: हाल ही में सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले अप्रत्याशित कर को समाप्त कर दिया है।*

➢ **अवलोकन:**

- विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में अप्रत्याशित कर को औसत तेल कीमतों के आधार पर हर दो सप्ताह में संशोधित किया जाता है।
- पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य रखा गया है।

- अप्रत्याशित **लाभ कर** एक असाधारण कर है जो उन कंपनियों या व्यक्तियों पर लगाया जाता है जो अप्रत्याशित परिस्थितियों, जैसे बाजार में उतार-चढ़ाव या नियामक परिवर्तनों के कारण अचानक और महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त करते हैं।

➢ **उद्देश्य**

- **धन का पुनर्वितरण** : इसका उद्देश्य अप्रत्याशित समय में अत्यधिक लाभ पर कर लगाकर आर्थिक असमानताओं को दूर करना है।
- **राजस्व सृजन** : यह सरकारों को लोक कल्याण या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त धन उपलब्ध कराता है।
- यह आमतौर पर विशिष्ट घटनाओं से असमान रूप से लाभान्वित होने वाले क्षेत्रों पर लागू होता है:
  - **ऊर्जा क्षेत्र** : तेल या गैस की कीमतों में उछाल के दौरान महत्वपूर्ण लाभ होने पर।
  - **वित्तीय क्षेत्र** : आर्थिक सुधार के चरणों के दौरान राजस्व में वृद्धि होने पर।
  - **फार्मास्यूटिकल्स** : स्वास्थ्य संकट (जैसे, COVID-19) के दौरान वैक्सीन की बिक्री से उच्च लाभ होने पर।

➢ **प्रमुख विशेषताएं**

- **कर की दर** : अतिरिक्त लाभ को दर्शाने के लिए यह दर आमतौर पर मानक कॉर्पोरेट कर दरों से अधिक होती है।
- **लाभ सीमा** : यह परिभाषित करता है कि "अतिरिक्त" लाभ क्या होता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि केवल अतिरिक्त लाभ पर ही कर लगाया जाए।

- **अस्थायी उपाय** : यह प्रायः विशिष्ट आर्थिक परिस्थितियों के प्रतिक्रियास्वरूप पूर्व निर्धारित अवधि के साथ लागू किया जाता है।

➢ अप्रत्याशित कर के पक्ष में तर्क

- **समानता और निष्पक्षता** : अतिरिक्त निवेश के बिना लाभान्वित होने वाली कंपनियों से धन का पुनर्वितरण करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है।
- **संकट प्रतिक्रिया** : संकट के दौरान आर्थिक असमानताओं के प्रबंधन के लिए एक सरकारी उपकरण के रूप में कार्य करता है।
- **सार्वजनिक वित्तपोषण** : सार्वजनिक सेवाओं और बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करता है।

➢ विंडफॉल टैक्स के खिलाफ तर्क

- **निवेश के लिए हतोत्साहक** : भविष्य में मुनाफे पर कराधान के भय के कारण कम्पनियां विकास में निवेश करने से कतरा सकती हैं।
- **बाजार विकृति** : इससे संभावित रूप से प्रतिकूल बाजार प्रतिक्रियाएं उत्पन्न होती हैं तथा समग्र आर्थिक स्थिरता पर प्रभाव पड़ता है।
- **जटिल कार्यान्वयन** : "अप्रत्याशित" लाभ को परिभाषित करने और उसका आकलन करने में कठिनाई के कारण कानूनी और नियामक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।

➢ कार्यान्वयन संबंधी विचार

- **स्पष्ट परिभाषाएँ** : पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अप्रत्याशित लाभ के बारे में दिशानिर्देश स्थापित किया जाना चाहिये।
- **राजस्व आवंटन** : स्पष्ट रूप से बताया जाए कि एकत्रित करों का उपयोग किस प्रकार किया जाएगा, जैसे कि सामाजिक कल्याण या सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए।
- **हितधारक परामर्श** : कर के प्रभाव और स्वरूप का आकलन करने के लिए व्यवसाइयों और समुदायों के साथ जुड़ना चाहिए।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अभ्यास AIKYA

अभ्यास ऐक्या/AIKYA नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज 18 सितंबर को चेन्नई में शुरू होगी।

अभ्यास ऐक्या/AIKYA के बारे में:

- अभ्यास ऐक्या/AIKYA राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) और सेना दक्षिणी कमान द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी है।
- इसका उद्देश्य प्रमुख हितधारकों के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा देते हुए आपदा तैयारियों को बढ़ाना है।
- अभ्यास में भाग लेने वाले प्रमुख हितधारकों में रेलवे, परिवहन, नागरिक उड्डयन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं, साथ ही राज्य और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भी शामिल हैं।
- भारतीय सेना इसमें केंद्रीय भूमिका निभाएगी, जिसमें भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD), राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, केंद्रीय जल आयोग और भारतीय वन सर्वेक्षण के अधिकारी भी शामिल होंगे।
- अभ्यास में समकालीन आपदाओं जैसे सुनामी, भूस्खलन, बाढ़, जंगल की आग और चक्रवातों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, हाल की आपदाओं की समीक्षा की जाएगी और रोकथाम रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी।

धर्मचक्र मुद्रा

हाल ही में, श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलंबो के धर्मायतन मंदिर को धर्मचक्र मुद्रा में भगवान बुद्ध की एक प्रतिमा भेंट की, जिसका समारोह बिनारा पोया और श्रीमठ अनागारिका धर्मपाल की 160वीं जयंती के साथ मेल खाता है।

धर्मचक्र मुद्रा के बारे में:

- धर्मचक्र मुद्रा बौद्ध धर्म में एक हाथ का इशारा है जो संस्कृत में धर्म के चक्र का प्रतीक है।
- यह बुद्ध के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक को दर्शाता है, जो ज्ञान प्राप्ति के बाद सारनाथ में दिया गया उनका पहला उपदेश था।
- इसे प्रत्येक हाथ के अंगूठे और तर्जनी के सिरे को छूकर एक चक्र बनाकर किया जाता है।
- दाएँ हाथ की मध्यमा उंगली बुद्ध की शिक्षाओं के 'श्रोताओं' का प्रतिनिधित्व करती है, अनामिका उंगली 'अकेले साकार करने वालों' का प्रतीक है और छोटी उंगली महायान या 'महान वाहन' का प्रतीक है, जबकि बाएँ हाथ की फैली हुई उंगलियाँ बौद्ध धर्म के तीन रत्नों - बुद्ध, धर्म और संघ का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- धर्मचक्र मुद्रा में हाथ हृदय के सामने रखे जाते हैं, जो इस बात का प्रतीक है कि बुद्ध की शिक्षाएँ सीधे उनके हृदय से आती हैं।
- यह मुद्रा वैरोचन, प्रथम ध्यानी बुद्ध द्वारा प्रदर्शित की जाती है।
- धर्मचक्र मुद्रा व्यक्तियों को सार्वभौमिक ऊर्जा और ब्रह्मांडीय व्यवस्था से जोड़ने वाली मानी जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

INTERNATIONAL MONETARY FUND

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने तकनीकी मुद्दों के कारण रूस के साथ अपने नियोजित परामर्श मिशन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में की गई थी।
- वर्तमान में इसके 190 सदस्य देश हैं।
- यह भुगतान संतुलन की समस्याओं का सामना कर रहे सदस्य देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, आमतौर पर आर्थिक सुधार की शर्तों के साथ।
- इसने 1997 के एशियाई वित्तीय संकट और 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट सहित विभिन्न वैश्विक आर्थिक संकटों का जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- इसका मुख्यालय वाशिंगटन, डी.सी. में है।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का संस्थापक सदस्य है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 September, 2024

ओल डोइन्यो लेंगाई

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने ओल डोइन्यो लेंगाई ज्वालामुखी में पृथ्वी की सतह के नीचे मैग्मा के प्रवाह के कारण अचानक उभार की खोज की और लोगों को आसन्न विस्फोट के बारे में चेतावनी दी।

ओल डोइन्यो लेंगाई के बारे में:

- भगवान का पहाड़ जिसे ओल डोइन्यो लेंगाई ज्वालामुखी के रूप में भी जाना जाता है, तंजानिया के उत्तर में स्थित है।
- ज्वालामुखी का नाम 'ओल डोइन्यो लेंगाई' का अर्थ मासाई में 'भगवान का पहाड़' है।
- यह दुनिया का एकमात्र ज्वालामुखी है जो कार्बोनेटाइट लावा का विस्फोट करता है जो पिघलने पर काला या भूरा होता है और ठंडा होने पर सफेद हो जाता है, जो इसे अपनी संरचना में अद्वितीय बनाता है।
- इसमें सोडियम और पोटेशियम से भरपूर बेसाल्ट होते हैं, और यह इतना क्षारीय होता है कि इसके लावा वाशिंग सोडा जैसा दिखता है।
- यह ज्वालामुखी 20वीं सदी में सक्रिय रहा है, लगभग हर 20 से 40 साल में विस्फोट होता है।
- सबसे हालिया बड़ा विस्फोट 2007 में हुआ था, जिसकी राख 10 मील से ज़्यादा की दूरी तक फैल गई थी।
- मासाई जनजाति ओल डोइन्यो लेंगाई को एक पवित्र स्थल मानती है और वे ज्वालामुखी से उपचार, उर्वरता और दुर्भाग्य से राहत के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मार्च 2022 से, वैज्ञानिकों ने भूमिगत मैग्मा के प्रवाह के कारण तेज़ी से विस्तार देखी है, जो संकेत देता है कि विस्फोट आसन्न हो सकता है।

समाचार में स्थान रोमानिया

हाल ही में, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में भारत-रोमानिया संयुक्त स्मारक टिकट जारी किए।

रोमानिया (राजधानी: बुखारेस्ट)

स्थान: रोमानिया मध्य, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी यूरोप के चौराहे पर स्थित एक देश है।
सीमाएँ: रोमानिया मोल्दोवा (पूर्व), हंगरी (पश्चिम), यूक्रेन (उत्तर), बुल्गारिया (दक्षिण), काला सागर (दक्षिण-पूर्व) और सर्बिया (दक्षिण-पश्चिम) के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- रोमानिया का सबसे ऊँचा स्थान मोल्दोवेनु पीक है।
- रोमानिया की प्रमुख नदियों में डेन्यूब, मुरेस, ओल्ट, प्रुत, सिरेत और सोमेस शामिल हैं।
- रोमानिया की जलवायु समशीतोष्ण-महाद्वीपीय है।
- रोमानिया प्राकृतिक गैस, तेल, लौह अयस्क और नमक जैसे खनिजों से समृद्ध है।

सदस्यता:

रोमानिया कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, जिसमें यूरोपीय संघ (ईयू) (2007 में शामिल हुआ), उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) (2004 में शामिल हुआ), संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- पलामू टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है? – **झारखंड**
- कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) कब शुरू की गई? – **2023**
- ग्लोबल बायो-इंडिया 2024 कार्यक्रम कहाँ आयोजित किया गया? – **नई दिल्ली**
- COP9 ब्यूरो की बैठक कहां आयोजित होगी? – **नई दिल्ली**
- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) का 79वां सत्र कहाँ आयोजित किया गया? – **न्यूयॉर्क**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com